***जय मां दुर्गा माता आरती***

जय अम्बे गौरी मैया जय श्यामा गौरी।

 तुमको निसदिन ध्यावत हरि ब्रह्मा शिवरी॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

मांग सिंदूर विराजत टीको मृगमदको।

उज्जवल से दोऊ नैना चन्द्रवदन नीको॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजे।

रक्त पुष्प गल माला कण्ठन पर साजे॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

केहरि वाहन राजत खड्ग खप्पर धारी।

सुर नर मुनि जन सेवत तिनके दुःख हारी॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

कानन कुंडल शोभित नासाग्रे मोती।

कोटिक चंद्र दिवाकर राजत सम ज्योति॥

 ॐ जय अम्बे गौरी।

शुंभ निशंभु विदारे महिषासुरधाती।

धूम्रविलोचन नैना निशदिन मदमाती॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

चण्ड मुण्ड संहारे शोणित बीज हरे।

 मधु कैटभ दोउ मारे सुर भयहीन करे॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

 ब्रम्हाणी रुद्राणी तुम कमलारानी।

आगम निगम बखानी तुम शिव पटरानी॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

चौसंठ योगिनी गावत नृत्य करत भैरुँ।

बाजत ताल मृदंगा अरु डमरुँ॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

तुम ही जग की माता तुम ही हो भरता।

भक्तन की दुःखहर्ता सुख सम्पत्ति कर्ता॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

 भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी।

मनवांच्छित फल पावे सेवत नर नारी॥

 ॐ जय अम्बे गौरी।

कंचन थाल विराजत अगर कपुर बात्ती।

श्री माल केतु में राजत कोटि रतन ज्योती॥

ॐ जय अम्बे गौरी।

या अम्बे जी की आरती जो कोई नर गाये।

कहत शिवानंद स्वामी सुख संपत्ति पाये॥

जय अम्बे गौरी मैया जय श्यामा गौरी।

तुमको निसदिन ध्यावत हरि ब्रह्मा शिवरी॥

ॐ जय अम्बे गौरी।